Nai Dunia (Indore), 28th January 2021, Page-5

आइआइटी ने तैयार किए 25 स्टार्टअप

उपलब्धि ● आइआइटी में मनाए गणतंत्र दिवस समारोह में निदेशक ने दी जानकारी

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने मंगलवार को 72वां गणतंत्र दिवस मनाया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन ने तिरंगा फहराया। जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्थान विकासशील पेटेंट, ऊष्मायन और स्टार्टअप गुणवत्ता प्रकाशन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम अपने भविष्य के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें।

कोरोना महामारी को देखते हुए ऑनलाइन आयोजित कार्यक्रम में जैन ने कहा कि हमने पिछले साल अकादमिक अखंडता और मानकों का उल्लंघन किए बिना बहुत अच्छा काम किया है और यह सामूहिक कड़ी मेहनत, धैर्य और दृढ़ता के कारण संभव हुआ है। हमने इस कठिन समय में न केवल खुद की देखभाल की बल्कि शहर और देश को हरसंभव सहायता भी प्रदान की। हमारी सारी उपलब्धियां अब एक इतिहास हैं। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे अपने काम और संस्थान के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें।

जैन ने कहा कि पिछले एक साल में संस्थान ने शैक्षणिक, अनुसंधान और इमारतों के मामले में बहुत कुछ हासिल किया है। संस्थान ने एनआइआरएफ रैंकिंग में देश के शीर्ष 10 इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक स्थान बनाया है। प्रोफेसर और कई विद्यार्थियों को ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल किया।

396 शोध पत्र प्रकाशित : कार्यक्रम में बताया गया कि नेशनल मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम्स एनएम (एनएमआइसीपीएससी) के तहत् सिस्टम सिमुलेशन, मॉडलिंग और विजुअलाइजेशन के वर्टिकल में टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब स्थापित करने के लिए संस्थान को डीएसटी द्वारा 100 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। कुल 356 परियोजनाओं में से 36 परियोजनाएं और 3943 शोध पत्रों में से 396 शोध पत्र 2020 में प्रकाशित किए गए। आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर डॉ. गौरीनाथ बांदा को पिछले साल 'सिस्टम एंड मेथड फॉर इलेक्ट्रिकल एनर्जी कंजर्वेशन' शीर्षक के लिए एक पेटेंट दिया गया।

यह भी बताया कि संस्थान द्वारा 25 नए स्टार्टअप को सशक्त बनाया गया है। इसमें से 12 स्टार्टअप को एमएसएमई द्वारा फंडिंग की जाएगी। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के साथ महिला उद्यमिता के लिए समझौता किया गया। पिछले एक साल में संस्थान में कई नई सुविधाएं आई हैं। इसमें वैश्विक क्षेत्र में संस्थान के उदय को बढ़ाया है। दो नए छात्रावास, विंध्याचल गेस्ट हाउस, विक्रमशिला सेमिनार हॉल कॉम्प्लेक्स, केंद्रीय विद्यालय, नर्सरी स्कूल और क्रेच सुविधाओं, लाइब्रेरी, कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र, अभिनंदन प्रशासनिक भवन, तक्षशिला लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स, केंद्रीय कार्यशाला, आइआइटी इंदौर के 501 एकड़ परिसर में विश्व स्तर की सुविधाएं प्रदान की गई हैं। जल्द ही कई और इमारतें बनाई जाएंगी। इसमें संकाय सदस्यों के लिए आवास की सुविधा भी शामिल है।

जब कोई आपको देख न रहा हो तब भी सही कार्य करें

इंदौर। भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर ने मंगलवार को देशभक्ति और उत्साह के साथ 72वां गणतंत्र दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रोफेसर हिमांशु राय ने ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ की। इस मौके पर संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल गुरुराज गोपीनाथ पामिडी समेत कई सदस्य मौजूद थे। ऑनलाइन मोड के माध्यम से हुए कार्यक्रम में हिमांशु राय ने चरित्र, जवाबदेही, जिम्मेदारी और उत्कृष्टता की बात की। उन्होंने कहा कि जब कोई आपको देख न रहा हो तब भी आप सही कार्य करें। वही अच्छा चरित्र कहलाता है।

महिलाओं को सशक्त बनाने की जरूरत : प्रो. राय ने कहा कि संस्थान अपने सभी छात्र-छात्राओं के प्रति जवाबदेह है और यह सुनिश्चित करता है कि उन्हें विश्व स्तर के शैक्षणिक मानक और सही मूल्य मिलें। संस्थान अपने कर्मचारियों की सही देखभाल सुनिश्चित करने के लिए भी जवाबदार है। साथ ही इस संपूर्ण विश्व के प्रति जवाबदेह है। संस्थान यह सुनिश्चित करता है कि छात्रों की डिग्री उनकी अखंडता का प्रतीक रहे। स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश और 42वें संवैधानिक संशोधन का हवाला देते हुए प्रो. राय ने नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों पर चर्चा की। जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना, समानता और भाईचारे को बढ़ावा देना और महिलाओं के सम्मान के खिलाफ जाने वाली प्रथाओं को दूर करना।

महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए प्रो. राय ने कहा कि सभी सम्मान के हकदार हैं। हालांकि कई ऐतिहासिक गलतियां हैं जहां समाज के कुछ वर्गों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता रहा है। इस गलती को सुधारना हमारा कर्तव्य है। जब कोई एक पुरुष को सशक्त बनाता है तो मात्र वह पुरुष सशक्त होता है, लेकिन जब कोई एक महिला को सशक्त बनाता है तो उस महिला का पूरा परिवार सशक्त होता है।

गणतंत्र दिवस

- आइआइएम इंदौर में ऑनलाइन मनाया गया समारोह
- निदेशक ने महिलाओं को सशक्त बनाने की जरूरत पर दिया जोर